देहरादून (उत्तराखण्ड)
शुक्रवार 16.05.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने ए.आई और तकनीकी नवाचारों को प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाने पर जोर दिया।
- नैनीताल की जिला योजना बैठक में चालू वित्तीय वर्ष के लिए 70 करोड़ रूपये से अधिक का बजट अनुमोदित।
- चारधाम यात्रा मार्गों पर तीर्थयात्रियों को खूब भा रहे मंडुवा और झंगोरे से बने व्यंजन। स्थानीय लोगों को मिला रोजगार।
- उत्तरकाशी जिले में स्थित सप्तऋषि कुंड और उसके ट्रैक को विकसित करने की प्रक्रिया शुरू।

राज्यपाल

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस–एआई और तकनीकी नवाचारों को प्रदेश के दूरस्थ और पर्वतीय क्षेत्रों तक पहुंचाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि इससे इन क्षेत्रों के युवा, छात्र, महिलाएं, किसान और उद्यमी भी तकनीकी विकास का लाभ उठा सकेंगे। राज्यपाल से राजभवन में उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद– यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रोफेसर दुर्गेश पंत ने मुलाकात की। इस अवसर पर एआई, तकनीकी नवाचारों और वैज्ञानिक अनुसंधान के महत्व पर चर्चा की गई। राज्यपाल ने यूकॉस्ट की नवाचारी पहलों की सराहना करते हुए कहा कि विज्ञान व नवाचार के क्षेत्र में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए राज्य के विकास को नई दिशा दी जा सकती है। प्रोफेसर पंत ने बताया कि यूकॉस्ट द्वारा राज्य के सभी जिलों में विज्ञान नवाचार केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर तकनीकी सशक्तीकरण को बल मिल रहा है। उन्होंने बताया कि चंपावत जनपद के भिंगराड़ा क्षेत्र में पिरूल से ब्रिकेट्स निर्माण की इकाई स्थापित की गई है, जिसके माध्यम से स्थानीय महिलाएं उद्यमिता से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। उन्होंने नवंबर में प्रस्तावित विश्व आपदा प्रबंधन सम्मेलन के बारे में भी राज्यपाल को जानकारी दी।

जिला योजना नैनीताल

नैनीताल जिले की प्रभारी मंत्री रेखा आर्या ने हल्द्वानी में जिला योजना की बैठक ली। बैठक में चालू वित्तीय वर्ष के लिए 70 करोड़ 20 लाख रूपये से अधिक की जिला योजना को सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। इस वर्ष कुल 35 विभागों द्वारा स्वरोजगार, मानदेय वचनबद्ध कार्यों को पूर्ण किए जाने हेतु धनराशि प्रस्तावित की गई है। श्रीमती आर्या ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि जिला योजना में जिस तरह से सरकार ने जिले का बजट बीते वर्षों के मुकाबले बढ़ाया है, वह सरकार की विकास कार्यों में तेजी लाने की प्रतिबद्धता को दिखाता है।

रक्षा बजट स्वागत

साल 2014 के बाद देश के रक्षा बजट में वृद्धि के साथ ही सशस्त्र बलों की ताकत लगातार बढ़ रही है। सीमांत पिथौरागढ़ जिले के पूर्व सैनिकों के साथ ही आम नागरिक भी भारत की बढ़ती सैन्य ताकत से गदगद दिखे। उनका कहना है कि रक्षा बजट में बढ़ोतरी से जहां भारत की सेना के पास अत्याधुनिक हथियार आए हैं, वहीं मेक इन इंडिया अभियान के तहत भारत में ही अनेक रक्षा उपकरण तैयार किए जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि आधुनिकीकरण के बाद भारत की सेना आज देश की सबसे ताकतवर सेना बनकर उभरी है।

चारधाम स्थानीय उत्पाद

चारधाम यात्रा में देश–विदेश से आ रहे श्रद्धालुओं को स्थानीय व्यंजन खूब पसंद आ रहे हैं। समूहों द्वारा कम नमक, तेल और चीनी वाले उत्पाद तैयार कर यात्रियों को परोसे जा रहे हैं। इससे जहां स्थानीय उत्पादों का प्रचार हो रहा है, वहीं महिला समूहों की आजीविका को भी बल मिल रहा है।

इस बार चारधाम यात्रा पर आ रहे श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने विशेष पहल की है। सरकार ने फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के साथ मिलकर एक स्वास्थ्य उन्मुख अभियान शुरू किया है। जिसके तहत यात्रियों को कम तेल, चीनी और नमक वाला भोजन परोसा जा रहा है। इसके साथ ही स्थानीय उत्पादों और व्यंजनों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। श्रद्धालु इस पहल से बेहद खुश नजर आ रहे हैं। यात्रियों को न केवल स्वास्थ्यवर्धक भोजन मिल रहा है, बल्कि उन्हें उत्तराखंड की सांस्कृतिक और पाक–परंपरा का भी अनुभव हो रहा है। प्रशासन ने स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बदरीनाथ और केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग तथा केदारनाथ पैदल मार्ग के किनारे स्थायी और अस्थायी दुकानें आवंटित की हैं। यहां पर स्थानीय लोग ढाबे और कैफे चला रहे हैं। जहां मंडुवा, झंगोरा, बुरांश, माल्टा, आंवला जैसे स्थानीय उत्पादों से बने व्यंजन श्रद्धालुओं को परोसे जा रहे हैं। वहीं, यात्रा मार्ग पर कई स्थानों पर हिलांस और आंचल कैफे भी संचालित हो रहे हैं, जिनका संचालन स्थानीय युवाओं द्वारा किया जा रहा है।

इन कैफे में यात्रियों को स्थानीय उत्पादों से बने पेय पदार्थ व भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। गुप्तकाशी, सोनप्रयाग, तिलवाड़ा, खांखरा, भीरी, गबनी गांव सहित कई स्थानों पर इन कैफे का संचालन हो रहा है। रुद्रप्रयाग के जवाड़ी बाईपास मोटर मार्ग पर कालापहाड़ और जवाड़ी गांव के ग्रामीणों द्वारा भी ढाबे संचालित किए जा रहे हैं।

सप्तऋषि कुंड

उत्तरकाशी जिले में स्थित यमुनोत्री से 14 किलोमीटर की पैदल दूरी और समुद्रतल से करीब 16 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित सप्तऋषि कुंड और उसके ट्रैक को विकसित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए शासन की ओर से वन विभाग को करीब 20 लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत की

गई है। सप्तऋषि कुंड लगभग आधा किलोमीटर में फैला है और इसके आस–पास दुर्लभ वन्य जीव और वनस्पतियां पाई जाती हैं। कुंड से हिमालय की बर्फ से ढकी चोटियों के साथ ही खूबसूरत घाटियों का भी दीदार किया जा सकता है। प्रभागीय वनाधिकारी रविंद्र पुंडीर ने बताया कि स्वीकृत बजट से ट्रैक के सुधारीकरण के साथ ही हट्स और बायो टॉयलेट का निर्माण किया जाएगा। वहीं, लोगों का कहना है कि इसके विकास से क्षेत्र में पर्यटन के नए आयाम भी खुलेंगे।

देशराज कर्णवाल

समाज कल्याण समिति के उपाध्यक्ष देशराज कर्णवाल ने कहा है कि प्रदेश में अनुसूचित जाति के सभी छात्रों को छात्रवृत्ति मिलनी चाहिए। नई टिहरी में जिला समाज कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक लेते हुए उन्होंने अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए कार्ययोजना तैयार करने के अधिकारियों को निर्देश दिए।